# RAF SECTOR
## NEWS CLIP
27/01/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan , Aligarh (UP)


जेएनयू के छात्र के भाषण में कहा- कभी भी नॉर्थ-ईस्ट को कर सकते हैं कट, बंगाल में छह-आठ महीने में साफ होंगे बंगाली

# जहर और नफरत उगलने में कमी नहीं छोड़ी शरजील ने

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

सीएए व एनपीआर को लेकर एएमयू में पिछले एक माह से ज्यादा समय से चल रहे धरना-प्रदर्शन के दौरान कई विवादित बयान सामने आए हैं, लेकिन 16 जनवरी को जेएनयू के छात्र शरजील इमाम ने एएमयू कैंपस में खड़े होकर जिस तरह से देश तोड़ने वाली और खतरनाक मंसूबों की नुमाइश की तो हर कोई हतप्रभ रह गया। छात्रों के मानस पटल को टटोलकर कौम के नाम पर देश के खिलाफ जहर भरने की इस घातक सोच बहुत कुछ सोचने पर मजबूर करती है।

शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में शरजील की जुबां कोबरा से भी कहीं ज्यादा जहर उगलती दिखी। अपनी दाढ़ी और बालों में हाथ फेरता हुआ यह शख्स बड़ी चालाकी के साथ अपना एजेंडा छात्रों के सामने रख रहा है। उसकी जुबां पर सीएए का जिक्र न के समान है, लेकिन व मुसलमानों व कौम के नाम पर जिस जहरीली सोच को भी काट सकते हैं। वीडियो में शरजील कहता है कि असम को काटना हमारी जिम्मेदारी है। पटरियों पर इतना मलबा डाल देंगे कि उसे साफ करने में ही एक महीना लग जाएगा। फोर्स के लिए

एएमयू में छात्रों के विरोध मार्च की सूचना के बाद शनिवार को पलैग मार्च करते सीओ अनिल समानिया व आरएएफ जवान

## कन्हैया का जिक्र, कहा- चेहरा इनका काम हमारी आवाम का

जेएनयू छात्र शरजील इमाम ने कन्हैया का भी जिक्र किया। कहा कि सीएए, एनपीआर और एनआरसी के विरोध में रैलियों में कितनी भीड़ जुट रही है, इसका अंदाजा बिहार में कन्हैया की रैली से लगाया जा सकता है। इसमें पांच लाख लोग

## एएमयू की साख पर दाग लगाकर चला गया शरजील

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

पिछले कुछ सालों में एएमयू में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिससे लगता है कि इस विश्व प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान का कुछ लोग अपने हिडन एजेंडे के तहत इस्तेमाल कर रहे हैं। ताजा मामला शरजील इमाम का है। यहां के छात्र शांतिपूर्वक सीएए और एनपीआर आदि के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं, लेकिन जिस तरह से शरजील ने यहां आकर अपना एजेंडा परोसा, उसने एएमयू की साख पर बट्टा लगाया है। इंतजामियां और यहां के छात्रों को इस बारे में जरूर मंथन करना पड़ेगा कि ऐसे लोग और सोच को कैसे दूर रखा जाए, ताकि किसी को इस पर अंगुली उठाने का मौका न मिले।

लगभग दो साल पहले एएमयू कैंपस के छात्र मन्नान वानी के आतंकी संगठन

### पुलिस कई मुकदमे दर्ज कर चुकी है

अलीगढ़। नागरिकता कानून को लेकर एएमयू में बीती 16 दिसंबर से धरना चल रहा है। इसकी शुरुआत चंद छात्राओं ने की थी, लेकिन धीरे-धीरे इस धरने का स्वरूप बदलता गया। नागरिकता कानून के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए छात्रों ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जेएनयू के छात्रों के अलावा सोशल एक्टीविस्ट समेत अन्य नामी हस्तियों को बुलाना शुरू कर दिया। इस फेहरिस्त में छात्रों में जोश भरने के दौरान वक्ता भी अपनी मर्यादा लांघ गए और विवादित बोल बोलने से भी नहीं चूके। भड़काऊ भाषण देने के मामले में पुलिस ने गोरखपुर के डॉ. कफील के खिलाफ पहला मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद रैमन मैग्सेसे संदीप पांडेय के खिलाफ भी भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया। हाल की ही बात करें तो बीती 23 जनवरी को ही धरने पर एएमयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष फैजुल हसन का नाम भी भड़काऊ भाषण देने वालों की फेहरिस्त में शामिल हुआ है। भाषण की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने 24 जनवरी को पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

धरना दे रहे छात्रों के बीच आकर जेएनयू के छात्र शरजील ने अपने देश विरोधी मंसूबों को रखा, उससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे पहली बात यह है कि आखिरकार शरजील को नई-नई इबारत लिखते आए हैं। शरजील के भाषण से पूरी तरह साफ है कि वह यहां अपने एजेंडे के तहत आया। वह यहां के छात्रों के मन में जहर के बीज बोने का प्रयास करना

Prabhat khabar , Lohardaga (JKD)

# लोहरदगा हिंसा: कर्फ्यू में दो घंटे की ढील, लोगों ने शान से फहराया तिरंगा

26 Jan 2020 1:18 PM

**लोहरदगा :** संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के समर्थन में लोहरदगा में गुरुवार को निकले जुलूस में पथराव के बाद हुई हिंसा के चलते लगे कर्फ्यू में रविवार को दो घंटे की ढील दी गयी. ये ढील पांच थाना क्षेत्र में दी गयी, ताकि लोग अपनी जरूरत का सामान खरीद पाएं और झंडोत्तोलन कर सकें.

# Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।